# श्रीमती श्यामादेवी

# डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

(डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध)

## सिसवाँ, रामपुर सकरवारी – अम्बेडकर नगर

## (बी0 एड0)

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

**सत्र : 201.....–201.....**

छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका का नाम Robins Kumar Upadhyay

शैक्षिक योग्यता B.Ed 2nd Year

महाविद्यालय अनुक्रमांक............

विश्व विद्यालय अनुक्रमांक............

शिक्षण विषय Economics

# INDEX

| पाठ रूल संख्या | विषय | पाठ का प्रकरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| | | | 1-6 |
| | अर्थशास्त्र | धन | 7-12 |
| | अर्थशास्त्र | कृषि विपणन | 13-17 |
| | ″ | भूमि सुधार | |
| | अर्थशास्त्र | बहुराष्ट्रीय निगम | 18-23 |
| | ″ | ग्रामीण विकास | 24-28 |

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक..........................

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ........................

Expt. No. ....................... Page No. 1

## पाठ योजना - 1

दिनांक :- 12/2/24 कक्षा :- IX

विषय :- अर्थशास्त्र अवधि :- 35 मिनट

विद्यालय :- राम मिलन राम बदन ग्राम विद्यापीठ इण्टर कालेज नसीरपुर कालांश :- VI

### प्रकरण :- धन

**शिक्षण बिन्दु :-**

1 - धन का अर्थ
2 - धन की विशेषताएँ
3 - धन का वर्गीकरण

**विशिष्ठ उद्देश्य :-**

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को धन की विशेषताओं की पहचान करने योग्य बनाना।

अवबोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को धन के विषय में व्याख्या करने योग्य बनाना।

अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को धन के वर्गीकरण की जाँच करके उचित जानकारी प्राप्त करने योग्य बनाना।

अभिरुच्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को धन के वर्गीकरण के चार्ट का प्रदर्शन करने योग्य बनाना।

अभिवृत्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को राष्ट्र के आर्थिक विकास में धन के महत्व को बताना।

कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्रों को धन के वर्गीकरण के तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।

**पूर्वज्ञान :-** छात्र रुपये-पैसे से सम्बन्धित सामान्य जानकारी रखते है।

Teacher's Signature : ........................................

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

**प्रस्तावना प्रश्न :-**

| | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ |
|---|---|---|
| प्रश्न 1:- | हम सामान खरीदने कहाँ जाते हैं? | उत्तर :- बाजार |
| प्रश्न 2:- | बाजार से हम किन-किन वस्तुओं को खरीद सकते हैं? | उत्तर :- कपड़े, साइकिल, T.V. । |
| प्रश्न 3:- | इन वस्तु को खरीदने के लिए हमारे पास पर्याप्त मात्रा में क्या होना चाहिए? | उत्तर :- धन |
| प्रश्न 4:- | धन से आप क्या समझते हो। (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर :- छात्र अनुत्तरित है। |

**सहायक सामग्री :-** चाक, चार्ट कक्षा सहायक सामग्री ।

**उद्देश्य कथन :-**

**प्रस्तुतीकरण :-**

| शिक्षण बिन्दु | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ | विधि | सहायक सामग्री | श्यामपट्ट कार्य |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. धन का अर्थ | विकासात्मक प्रश्न :- | | | | |
| | प्रश्न 1:- हम मूल्यवान वस्तु किसके द्वारा खरीदते हैं? | उत्तर :- धन के द्वारा । | प्रविधि :- प्रश्नोत्तर | | |
| | प्रश्न 2:- धन के विषय में | | | | |

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | -आप क्या जानते हैं? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर:- छात्र अनुत्तरित हैं। | | |
| | छात्राध्यापक कथन:- साधारण बोल-चाल में धन का अर्थ मुद्रा या रुपये पैसे से लगाया जाता है। साथ ही भौतिक सम्पत्ति जैसे- रेडियो, मेज आदि को भी धन की श्रेणी मे गिना जाता है। यही कारण है कि संसार मे जिस व्यक्ति के पास ये वस्तु अधिक होती है वह धनवान होता है। | छात्र ध्यान पूर्वक व्याख्या सुनेंगे। | विधि:- व्याख्या | धन का अर्थ रुपये पैसों से है। * भौतिक सम्पत्ति- रेडियो T.V * अर्थशास्त्र मे धन का अर्थ व्यापक है। |
| | बोधात्मक प्रश्न:- प्रश्न 1:- साधारण शब्दों मे धन का अर्थ क्या होता है? | उत्तर:- मुद्रा या पैसों से। | प्रविधि प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न 2:- अर्थशास्त्र मे धन का अर्थ कैसा है? | उत्तर:- व्यापक। | | |
| 2:- धन की विशेषताएं | विकासात्मक प्रश्न:- प्रश्न 1:- भौतिक सम्पत्ति मे कौन-कौन सी वस्तु आती है? | उत्तर:- मेज, टी.वी. आदि। | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न 2:- किसी वस्तु को धन कहलाने के लिए उसमे क्या विशेषता होनी चाहिए? | उत्तर:- छात्र अनुत्तरित हैं। | | |

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ..............................

| | | | |
|---|---|---|---|
| छात्राध्यापक कथन :-<br>धन की प्रमुख तीन उपयोगिता हैं -<br>1- उपयोगिता :- जो वस्तुएँ मनुष्य को सन्तुष्ट करने की शक्ति रखती है, यह क्षमता उपयोगिता कहलाती है। जैसे विद्यार्थी के लिए पेन धन है।<br>2- दुर्लभता :- धन होने के लिए वस्तु मे दुर्लभता होनी चाहिए। दुर्लभ उस वस्तु को कहते हैं जो सीमित मात्रा मे हो।<br>3- विनिमय सहायता :- इससे तात्पर्य है - परिवर्तनशीलता इसमे वस्तु का स्वामित्व बदल जाता है। | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे। | व्याख्यान | धन की विशेषता :-<br>उपयोगिता<br>विनिमय सहायता।<br>दुर्लभता<br>जो सीमित मात्रा में है |
| बोधात्मक प्रश्न :- | | | |
| प्रश्न 1 :- जो वस्तु मनुष्य को सन्तुष्ट करने की क्षमता रखती है वह क्षमता क्या कहलाती है? | उत्तर :- उपयोगिता | | |
| प्रश्न 2 :- विद्यार्थी के लिए पेन धन है, यह कैसी वस्तु है? | उत्तर :- उपयोगी | प्रविधि :- प्रश्नोत्तर | |

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. ..................... Date ....................... 

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| उ३:- धन का वर्गीकरण | विकासात्मक प्रश्न:- | | | |
| | प्रश्न 1:- जिससे वस्तु का स्वामित्व बदल जाता है, वह कौन सा धन है? | उत्तर:- विनिमय सहायता | | |
| | प्रश्न 2:- सामाजिक धन से क्या अभिप्राय है? | उत्तर:- छात्र निरुत्तर हैं। | | |
| | (समस्यात्मक प्रश्न) | | | |
| | छात्राध्यापक कथन:- धन के वर्गीकरण को 4 भागों में बांटा गया है- | | | |
| | ① व्यक्तिगत धन – वह धन होता है जिस पर किसी एक व्यक्ति का व्यक्तिगत अधिकार होता है। मकान, मेज, कार | धन छात्र ध्यान -पूर्वक व्याख्या सुनेंगे। | विधि:- व्याख्यान | धन का वर्गीकरण चार – *व्यक्तिगत धन *अन्तर्राष्ट्रीय धन *सामाजिक धन *राष्ट्रीय धन |
| | ② सामाजिक धन:- जिन वस्तु पर पूरे समाज का अधिकार होता है, पार्क, स्कूल, स्टेशन | | | |
| | ③ राष्ट्रीय धन:- जिन पर सम्पूर्ण देश का अधिकार हो, रेल, सड़क, वन | | | |
| | ④ अन्तर्राष्ट्रीय धन:- जिन सम्पत्तियों पर सम्पूर्ण विश्व का अधिकार होता है। महासागर, हवाई जहाज आदि। | | | |

Teacher's Signature : ..................................

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

| | | | |
|---|---|---|---|
| | बोधात्मक प्रश्न :- | | |
| | प्रश्न 1 :- धन का वर्गीकरण को कितने भागों में बांटा गया है? | उत्तर :- 4 भागों में | |
| | प्रश्न 2 :- व्यक्तिगत धन से आप क्या समझते हैं? | उत्तर :- जिस धन पर किसी एक का अधिकार होता है। | |
| | प्रश्न 3 :- सामाजिक धन का कोई एक उदाहरण बताइए। | उत्तर :- पार्क, स्कूल | |

**मूल्यांकन प्रश्न :-**

1. क्या व्यक्ति के लिए पेन धन है? (सत्य/असत्य)
2. धन के कितने प्रकार हैं?
3. दुर्लभ वस्तु वह है जिसके लिए हमे कुछ ........ देनी पड़ती है।

**गृहकार्य :-** छात्र धन की विशेषता याद करके आयेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ..............................

# पाठ योजना - 2

दिनांक :- 13/2/21 
कक्षा :- IX
विषय :- अर्थशास्त्र 
अवधि :- 35 मिनट
विद्यालय :- रामामिलन रामबदन ग्राम विद्यापीठ इण्टर कालेज नसीरपुर
कालांश :- IV

## प्रकरण :- कृषि विपणन

**शिक्षण बिन्दु :-**

1- कृषि विपणन
2- कृषि विपणन के चरण
3- कृषि उपज के विपणन के दोष

**विशिष्ट उद्देश्य :-**

1- ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को कृषि विपणन व उपज का प्रत्याभिज्ञान करने योग्य बनाना।

2- अवबोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को कृषि विपणन की व्याख्या करने योग्य बनाना।

3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को कृषि विपणन से सम्बन्धित पूर्व कथन देने योग्य बनाना।

4- कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्रों को कृषि विपणन से सम्बन्धित तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।

**पूर्वज्ञान :-** छात्र कृषि से सम्बन्धित सामान्य जानकारी रखते हैं।

**सहायक सामग्री :-** कृषि विपणन की क्रिया का दर्शाता हुआ एक चार्ट, चाक आदि।

**प्रस्तावना प्रश्न :-**

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

| | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ |
|---|---|---|
| प्रश्न-1 | विकासशील देशों का प्रमुख व्यवसाय क्या है? | उत्तर:- कृषि व्यवसाय |
| प्रश्न:-2 | कृषि से किसान क्या प्राप्त करता है? | उत्तर:- कृषि करने पर किसान को उपज प्राप्त होती है। |
| प्रश्न:3 | कृषक उपज का क्या करता है? | उत्तर:- बाजार मे बेच देता है। |
| प्रश्न:4 | उत्पादित वस्तु को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुँचाने की क्रिया क्या कहलाती है? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर:- छात्र अनुत्तरित है। |

**उद्देश्य कथन:-** आज हम कृषि विपणन के विषय मे अध्ययन करेंगे।

**प्रस्तुतीकरण:-**

| शिक्षण बिन्दु | छात्राध्यापक क्रिया | छात्र क्रियाएँ | विधि/सहायक सामग्री | श्यामपट्ट कार्य |
|---|---|---|---|---|
| 1- कृषि विपणन का अर्थ | विकासात्मक प्रश्न:- प्रश्न:- कृषि से प्राप्त उपज का किसान क्या करता है? | उत्तर:- बाजार मे बेच देता है। | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | प्रश्नः- कृषि विपणन का क्या अर्थ है? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तरः- छात्र निरुत्तर है। | | |
| | छात्राध्यापक कथनः- कृषि विपणन से अर्थ उन सभी क्रियाओं से लगाया जाता है, जिसका सम्बन्ध कृषि उत्पादन को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुंचाने में किया जाता है। | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्यान सुनेंगे। | विधिः- व्याख्यान | कृषि विपणन उत्पादित माल को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुंचाने की क्रिया कृषि विपणन होती है। |
| | बोधात्मक प्रश्नः- प्रश्नः- कृषि विपणन का क्या अर्थ है? | उत्तरः- उत्पादित वस्तु को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुंचाने की क्रिया | प्रविधिः- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्नः- कृषक का क्या कार्य है? | उत्तरः- मांग के अनुरूप उत्पादन करना। | | |
| २ः- कृषि विपणन के चरण | विकासात्मक प्रश्नः- प्रश्न १ः- उत्पादन को उपभोक्ता तक पहुंचाने की क्रिया कौन सी है? | उत्तरः- कृषि विपणन | प्रविधिः- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न २ः- कृषि विपणन क्रिया के कौन-२ से चरण हैं? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तरः- छात्र निरुत्तर | | |

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. ...................... Date ......................



| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | छात्राध्यापक कथन :- कृषक की उपज उत्पादन के पश्चात् भी अनेक क्रियाएँ ऐसी करनी पड़ती हैं। जिनके द्वारा उत्पादित वस्तु को अन्तिम उपभोक्ता तक पहुँचाया जा सके। कृषक यह क्रिया 8 चरणों में करता है — | | विधि :- व्याख्यान | कृषि विपणन के चरण |
| | 1- कृषि उपज का एकत्रीकरण | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे। | | * उपज का एकत्रीकरण |
| | 2- सँवारना | | | * सँवारना |
| | 3- श्रेणीकरण व वर्गीकरण | | | * श्रेणीकरण व वर्गीकरण |
| | 4- गोदामों में सुरक्षित रखना | | | * गोदामों में सुरक्षित रखना |
| | 5- वित्त व्यवस्था करना। | | | * विक्रय करना। |
| | 6- मण्डी व विक्रय स्थान पर ले जाना। | | | * जोखिम उठाना |
| | 7- विक्रयादि करना | | | * मण्डी व विक्रय स्थान पर ले जाना। |
| | 8- जोखिम उठाना | | | * वित्त व्यवस्था करना। |
| | बोधात्मक प्रश्न :- | | | |
| | प्रश्न :- कृषि विपणन क्रिया के कितने चरण हैं? | उत्तर :- 8 चरण निर्धारित किये गये हैं। | प्रविधि :- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न :- श्रेणीकरण व वर्गीकरण से क्या अभिप्राय है? | उत्तर :- श्रेणीकरण व वर्गीकरण में उपज को उच्च कोटि तथा निम्न कोटि को पृथक किया | | |

Teacher's Signature : ..............................

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | -जाता है। | | | |
| | प्रश्न:- उपज कहाँ बेची जाती है? | उत्तर:- बाजार या मण्डी में। | | |
| 3:- कृषि उपज के विपणन मे दोष | विकासात्मक प्रश्न:-<br>प्रश्न 1:- कृषक कृषि विपणन की प्रक्रिया क्यों करता है? | उत्तर:- ताकि उसे उपज का उचित मूल्य मिल सके। | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न 2:- कृषि विपणन का प्रमुख दोष बताओ।<br>(समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर:- छात्र असुत्तरित हैं। | | |
| | छात्राध्यापक कथन:-<br>कृषि विपणन में अनेक दोष हैं जो निम्नलिखित है-<br>(i) उपज की निम्न कोटि:- कृषि उपज की प्रायः निम्न कोटि की होती है। अतः किसान को उपज मूल्य कम मिलता है।<br>(ii) परिवहन सुविधाओं का अभाव:- कृषि विपणन के लिए उपज को ले जाने के लिए परिवहन का अभाव है।<br>(iii) भण्डारगृहों की कमी:- कृषि विपणन में उपज को सुरक्षित रखने के लिए भण्डारगृहों की बहुत आभाव है। | छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे। | विधि:- व्याख्यान | कृषि विपणन के दोष →<br>↓<br>1-उपज की निम्नकोटि<br>2-भण्डारगृह की कमी<br>3-परिवहन सुविधा का आभाव |

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | बोधात्मक प्रश्न - | | | |
| | प्रश्न 1:- भारत में कृषि उपज कैसी है? | उत्तर:- कृषि उपज प्रायः निम्न कोटि की है। | | |
| | प्रश्न 2:- परिवहन असुविधा का क्या अर्थ है? | उत्तर:- इसका तात्पर्य किसानों के पास कृषि विपणन क्रियाओं के लिए परिवहन के साधनों का अभाव है। | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |

**मूल्यांकन:-**

1- कृषि विपणन किसे कहते हैं?
2- कृषि उपज के विपणन में दोष बताइए।
3- कृषि विपणन के अन्तर्गत कौन-कौन सी क्रियाएँ आती हैं?

**गृहकार्य:-** छात्र कृषि उपज के विपणन के सोपान लिखकर लायेंगे।

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

## पाठ योजना - 3

दिनांक :- 15/3/21
कक्षा :- X
विषय :- अर्थशास्त्र
अवधि :- 35 मिनट
विद्यालय :- राम मिलन राम बदनू ग्राम विद्यापीठ इण्टर कालेज नसीरपुर
कालांश :- V

### प्रकरण :- भूमि सुधार

**शिक्षण बिन्दु :-**

1- भूमि सुधार का अर्थ।
2- भूमि सुधार की आवश्यकता।
3- भूमि सुधार कार्यक्रमों की सफलता हेतु सुझाव

**विशिष्ट उद्देश्य :-**

1- ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को भूमि सुधार का प्रत्यास्मरण कराना।
2- अवबोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को भूमि सुधार की व्याख्या करने योग्य बनाना।
3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को भूमि सुधार की गणना करने योग्य बनाना।
4- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को राष्ट्र के आर्थिक विकास में भूमि सुधार के महत्व को बताना।
5- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को भूमि सुधार के चार्ट का प्रदर्शन करने योग्य बनाना।
6- कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्रों को भूमि सुधार के तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।

**सहायक सामग्री :-** चार्ट, चाक व लेखन सामग्री।
**पूर्वज्ञान :-** छात्र भूमि के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

Teacher's Signature : ....................

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

## प्रस्तावना प्रश्न :-

| | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ |
|---|---|---|
| प्रश्न 1 | उत्पादन क्रिया में कौन-2 से साधन प्रयोग किये जाते हैं? | उत्तर :- भूमि, श्रम, पूँजी, साहस |
| प्रश्न-2 | साधारण भाषा में भूमि किसे कहते हैं? | उत्तर :- जमीन की ऊपरी सतह को। |
| प्रश्न-3 | भूमि के कितने प्रकार हैं? | उत्तर :- श्रेष्ठ भूमि तथा घटिया भूमि |
| प्रश्न-4 | छोटे कृषक एवं कृषि श्रमिकों के लाभ के लिए भूमि स्वामित्व के पुनः वितरण को क्या कहते हैं? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर :- छात्र अनुत्तरित हैं। |

**उद्देश्य कथन :-** आज हम 'भूमि सुधार' के विषय में अध्ययन करेंगे

## प्रस्तुतीकरण :-

| शिक्षण बिन्दु | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ | विधि/सहायक सामग्री | श्यामपट्ट कार्य |
|---|---|---|---|---|
| 1- भूमि सुधार का अर्थ | विकासात्मक प्रश्न<br>प्रश्न-1 :- फसलों की पैदावार कहाँ होती है। | उत्तर :- भूमि पर। | | |
| | प्रश्न-2 :- किसी संगठन का भूमि व्यवस्था की संस्थागत व्यवस्था में | उत्तर :- छात्र अनुत्तरित हैं। | प्रविधि :- प्रश्नोत्तर | |

Teacher's Signature :

SMT. SHIVA DEVI Degree College of Science & Management

| | | | |
|---|---|---|---|
| -होने वाला परिवर्तन क्या है? (समस्यात्मक प्रश्न) | | प्रविधि: प्रश्नोत्तर | |
| छात्राध्यापक कथन :- संकुचित अर्थ में "भूमि सुधार का आशय छोटे कृषक एवं कृषि श्रमिकों के लाभ के लिए भूमि स्वामित्व के पुनः वितरण से है।" परन्तु विस्तृत अर्थ में, "भूमि सुधार से आशय किसी समाज का भूमि व्यवस्था की संस्थागत व्यवस्था में होने वाले प्रत्येक परिवर्तन से है" | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे। | विधि: व्याख्यान | मुख्य बिन्दु<br>• भूमि सुधार एवं जोतों में होने वाले सुधार<br>• इनमें लगान कानून, लगान निर्धारण एवं उनकी वसूली मध्यस्थों का उन्मूलन चकबन्दी आदि सभी कार्य शामिल हैं। |
| बोधात्मक प्रश्न —<br>प्रश्न 1:- संकुचित अर्थ में भूमि सुधार से क्या आशय है? | उत्तर:- भूमि सुधार का आशय छोटे कृषक एवं कृषि श्रमिकों के लाभ के लिए स्वामित्व के पुनः वितरण से है। | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |
| प्रश्न:- भूमि सुधार में किसे शामिल किया जाता है? | उत्तर:- भूमि स्वामित्व एवं जोत। | | |

Teacher's Signature : ..........................

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ३: भूमि-सुधार की आवश्यकता | विकासात्मक प्रश्न -<br>प्रश्न १:- भूमि सुधार के लिए किन-किन कार्यों को शामिल किया गया है? | उत्तर:- लगान-कानून, लगान निर्धारण एवं उनकी वसूली, चकबन्दी आदि। | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न २:- भूमि सुधार का कृषि में क्या योगदान है? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर:- छात्र अनुत्तरित हैं। | | |
| | छात्राध्यापक कथन<br>भूमि सुधार की आवश्यकता निम्न क्षेत्रों के लिए है-<br>1- कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए।<br>2- नियोजित विकास के लिए।<br>3- कृषि उद्योगों के विकास के लिए- उद्योग के विकास के लिए कच्चा माल तथा धन कृषि से मिल सकता है, | | विधि:- व्याख्यान | आवश्यकताएँ<br>• कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए<br>• नियोजित विकास के लिए<br>• कृषि उद्योगों के विकास के लिए। |
| | बोधात्मक प्रश्न-<br>प्रश्न १:- भूमि सुधार की आवश्यकताओं के कोई दो क्षेत्र बताइए। | उत्तर:- (i) नियोजित विकास के लिए, (ii) कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | प्रश्न 2:- भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादन कैसा था? | उत्तर:- बहुत कम | प्रविधि:- | |
| | प्रश्न 3:- उद्योग के विकास के लिए कच्चा माल एवं धन कहाँ से प्राप्त होता है? | उत्तर:- कृषि से | प्रश्नोत्तर | |

**मूल्यांकन प्रश्न :-**

प्र. 1- भूमि सुधार से क्या तात्पर्य है?

प्र. 2- भूमि सुधार के लिए ------ कार्य शामिल हैं।

प्र. 3- भूमि सुधार की दो आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए।

**गृहकार्य :-** भूमि सुधार का अर्थ एवं आवश्यकताओं को लिखिए।

Teacher's Signature : ..........................

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

# पाठ योजना – 4

**दिनांक :-** 5/2/24
**विषय :-** अर्थशास्त्र
**विद्यालय :-** राम मिलन राम बदन ग्राम विद्यापीठ इण्टर कालेज नसीरपुर
**कक्षा :** X
**अवधि :** 35 मिनट
**कालांश :-** V

## प्रकरण :- बहुराष्ट्रीय निगम

**शिक्षण बिन्दु :-**

1- बहुराष्ट्रीय निगमों का अर्थ
2- बहुराष्ट्रीय निगमों की विशेषताएँ
3- बहुराष्ट्रीय निगमों से लाभ

**विशिष्ठ उददेश्य :-**

1- ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बहुराष्ट्रीय निगमों का प्रत्यास्मरण कराना।
2- अवबोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बहुराष्ट्रीय निगम का चयन करने योग्य बनाना।
3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बहुराष्ट्रीय निगमों की जाँच करने योग्य बनाना।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बहुराष्ट्रीय निगम के चार्ट का प्रदर्शन करने योग्य बनाना।
5- कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्रों को बहुराष्ट्रीय निगम के तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।

**सहायक सामग्री :-** चार्ट, चाक, प्रश्नोत्तर व प्रदर्शन

Teacher's Signature : ..........

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

**पूर्वज्ञान :-** छात्र "बहुराष्ट्रीय निगम" के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

**प्रस्तावना प्रश्न :-**

| क्र.स. | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ |
|---|---|---|
| प्रश्न 1:- | दो पक्षों के बीच आदान-प्रदान को क्या कहते हैं? | उत्तर: व्यापार |
| प्रश्न 2:- | विदेशी व्यापार क्यों किया जाता है। | उत्तर:- ~~विदेशी व्यापार~~ देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए |
| प्रश्न 3:- | यदि यही व्यापार एक देश से दूसरे देश के साथ हो तो उसे क्या कहेंगे? | उत्तर:- विदेशी व्यापार |
| प्रश्न 4:- | एक देश का अधिक देशों के साथ व्यापार क्या कहलाता है। (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर:- छात्र अनुत्तरित हैं। |

**उद्देश्य कथन :-** आज हम बहुराष्ट्रीय निगम के विषय में अध्ययन करेंगे।

**प्रस्तुतीकरण :-**

| शिक्षण बिन्दु | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ | विधि/सहायक सामग्री | श्यामपट्ट कार्य |
|---|---|---|---|---|
| 1. बहुराष्ट्रीय निगमों का अर्थ | विकासात्मक प्रश्न<br>प्रश्न 1. एक पक्ष से दूसरे पक्ष के बीच होने वाला आयात-निर्यात क्या कहलाता है | उत्तर:- व्यापार। | प्रविधि-प्रश्नोत्तर | |

Teacher's Signature : ..........

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

| | | | |
|---|---|---|---|
| <u>प्रश्न-2</u>:- एक कम्पनी के कार्यक्षेत्र का विस्तार एक से अधिक देशों में होता है, तो उसे क्या कहते हैं? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर:- छात्र अनुत्तरित हैं। | <u>प्रविधि</u>:- प्रश्नोत्तर | |
| छात्राध्यापक कथन:- एक ऐसी कम्पनी जिसके कार्यक्षेत्र का विस्तार एक से अधिक देशों में होता है, और जिसके उत्पादन एवं सेवा सुविधाएँ उस देश से बाहर भी होती हैं जिसमें यह जन्म लेती है; जिसको बहुराष्ट्रीय निगम अथवा अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनी कहते हैं। <u>उदा०</u> कोका कोला पेप्सी, व्हर्लपूल, सैमसंग आदि। | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे | | मुख्य बिन्दु<br>• एक से अधिक देशों के लिए होता है।<br>• उदाहरण:- कोका कोला पेप्सी सैमसंग। |
| बोधात्मक प्रश्न<br><u>प्रश्न 1</u>:- बहुराष्ट्रीय निगम क्या है? | उत्तर:- वह कम्पनी जिसके कार्यक्षेत्र का विस्तार एक से अधिक देशों में होता है और जिसके उत्पादन एवं सेवाएँ | <u>प्रविधि</u>:- प्रश्नोत्तर | |

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | सुविधाएँ उस देश से बाहर भी होती हैं, बहुराष्ट्रीय निगम कहलाती हैं। | | |
| | प्रश्न 2:- वर्तमान मे सम्पूर्ण विश्व मे लगभग कितने बहुराष्ट्रीय निगम हैं? | उत्तर:- 40,000 लगभग | | |
| 2:- बहुराष्ट्रीय निगम की विशेषताएँ | विकासात्मक प्रश्न :- | | | |
| | प्रश्न:- कोका कोला, पेप्सी, व्हर्लपूल आदि किसके उदाहरण हैं? | उत्तर:- बहुराष्ट्रीय निगम के। | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न:- बहुराष्ट्रीय निगमों के गुण हैं? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर:- छात्र अनुत्तरित हैं। | | बहुराष्ट्रीय निगम की विशेषताएँ |
| | छात्राध्यापक कथन - बहुराष्ट्रीय निगमों में निम्नलिखित विशेषताएँ देखने को मिलती हैं— | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे। | विधि-: व्याख्यान | • बहुराष्ट्रीय प्रबन्ध<br>• वृहत आकार<br>• साधनों का हस्तान्तरण<br>• अधिकतम लाभ का उद्देश्य |
| | 1- अधिकतम लाभ का उद्देश्य<br>2- सम्पूर्ण विश्व के सम्बन्ध मे निर्णय<br>3- विभिन्न सस्थाओं के माध्यम से कार्य<br>4- अन्तर्राष्ट्रीय क्रियाएँ<br>5- वृहत आकार | | | |

Teacher's Signature : ..................

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | बोधात्मक प्रश्न :- | | | |
| | प्रश्न :- बहुराष्ट्रीय निगमों की कुछ विशेषताएँ? | उत्तर :- अन्तर्राष्ट्रीय क्रियाएँ, वृहत आकार बहुराष्ट्रीय प्रबन्ध | प्रविधि :- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न :- बहुराष्ट्रीय निगम की स्थापना के पीछे मूल उद्देश्य क्या है? | उत्तर :- अधिकतम लाभ कमाना | | |
| उ:- बहुराष्ट्रीय निगमों से लाभ | विकासात्मक प्रश्न :- | | | |
| | प्रश्न :- बहुराष्ट्रीय निगम का मूल उद्देश्य क्या है? | उत्तर :- अधिकतम लाभ कमाना | प्रविधि :- | |
| | प्रश्न :- बहुराष्ट्रीय निगम से क्या लाभ है? | उत्तर :- छात्र अनुत्तरित हैं। | प्रश्नोत्तर | |
| | (समस्यात्मक प्रश्न) | | | |
| | छात्राध्यापक कथन | | | |
| | निम्नलिखित लाभ होते हैं – | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे | विधि :- व्याख्यान | बहुराष्ट्रीय निगमों से लाभ – |
| | 1- विपणन व्यूहनीति | | | • आधुनिकतम तकनीक का प्रचलन |
| | 2- रोजगार के अवसरों में वृद्धि | | | |
| | 3- अनुसंधान एवं विकास | | | • विपणन व्यूह नीति |
| | 4- संसाधनों का विदोहन | | | • संसाधनों का विदोहन |
| | बोधात्मक प्रश्न – | | | |
| | प्रश्न :- बहुराष्ट्रीय निगमों के दो लाभ बताइए। | उत्तर :- अनुसंधान एवं विकास, संसाधनों का विदोहन | प्रविधि :- प्रश्नोत्तर | |

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

**मूल्यांकन प्रश्न :-**

रिक्त स्थान भरिए —

प्र०1 – पेप्सी, व्हर्लपूल, सैमसंग आदि ------- के उदाहरण हैं।

प्र०2 – वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व में लगभग ------ बहुराष्ट्रीय निगम हैं।

प्र०3 – बहुराष्ट्रीय निगम से आप क्या समझते हैं?

**गृहकार्य :-**

बहुराष्ट्रीय निगम का अर्थ एवं लाभ लिखकर लाना है।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ..........

Date ..................

Expt. No. .................. Page No. 24

# पाठ योजना - 5

दिनांक :- 1/2/21 कक्षा :- X^th

विषय :- अर्थशास्त्र अवधि :- 35 मिनट

विद्यालय :- राम मिलन रामबदन ग्राम विद्यापीठ इण्टर कालेज नसीरपुर कालांश :- V

## प्रकरण :- ग्रामीण विकास

**शिक्षण बिन्दु :-**

1- ग्रामीण विकास का अर्थ
2- ग्रामीण विकास का क्षेत्र
3- शिक्षा एवं स्वास्थ्य की ग्रामीण विकास मे भूमिका

**विशिष्ट उद्देश्य :-**

1- ज्ञानात्मक उद्देश्य :- छात्रों को ग्रामीण विकास का प्रत्यास्मरण कराना।

2- अवबोधात्मक उद्देश्य :- छात्रों को ग्रामीण विकास की व्यवस्था करने योग्य बनाना।

3- अनुप्रयोगात्मक उद्देश्य :- छात्रों को ग्रामीण विकास की गणना करने योग्य बनाना।

4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य :- छात्रों को ग्रामीण विकास के चार्ट का प्रदर्शन करने योग्य बनाना।

5- कौशलात्मक उद्देश्य :- छात्रों को ग्रामीण विकास के तथ्यों का संकलन करने योग्य बनाना।

**पूर्वज्ञान :-** छात्र 'ग्रामीण विकास' के विषय मे सामान्य जानकारी है।

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ..................

**सहायक सामग्री :-** कक्षोपयोगी सहायक सामग्री।

**प्रस्तावना प्रश्न :-**

| क्र०सं० | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ |
|---|---|---|
| प्रश्न-1 | गाँवों का मुख्य व्यवसाय क्या है? | उत्तर :- कृषि। |
| प्रश्न-2 | कृषि करने वाले व्यक्ति को क्या कहते हैं? | उत्तर :- कृषक। |
| प्रश्न-3 | ग्रामीण विकास में किसका योगदान है? (समस्यात्मक प्रश्न) | उत्तर :- छात्र अनुत्तरित हैं। |

**उद्देश्य कथन :-** आज हम 'ग्रामीण विकास' के विषय में अध्ययन करेंगे।

**प्रस्तुतीकरण :-**

| शिक्षण बिन्दु | छात्राध्यापक क्रियाएँ | छात्र क्रियाएँ | विधि/सहायक सामग्री | श्यामपट्ट कार्य |
|---|---|---|---|---|
| ① ग्रामीण विकास का अर्थ | विकासात्मक प्रश्न -<br>प्रश्न1 :- भारत की 72.2% जनसंख्या कहाँ रहती है?<br>प्रश्न2 :- ग्रामीण विकास से आप क्या समझते हैं? (समस्यात्मक प्रश्न)<br>छात्राध्यापक कथन -<br>भारत के गांवों का - | उत्तर :- ग्रामों में<br>उत्तर :- छात्र अनुत्तरित हैं। | प्रविधि :- प्रश्नोत्तर | |

Teacher's Signature : ..................

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | देश कहा जाता है। अतः भारत के सर्वांगीण विकास के लिए यह आवश्यक है कि ग्राम के विकास पर समुचित ध्यान दिया जाये। ग्राम विकास से अभिप्राय है - ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनेकानेक न्यून वर्ग के लोगों के जीवन स्तर को सुधार करना है। | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे | प्रविधि:- व्याख्यान | ग्राम विकास का अर्थ- ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनेकानेक न्यून वर्ग के लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना और विकास करना है। |
| | बोधात्मक प्रश्न- | | | |
| | प्रश्न 1:- भारत के सर्वांगीण विकास के लिए क्या आवश्यक है? | उत्तर:- गाँवों के विकास पर समुचित ध्यान दिया जाये। | प्रविधि:- प्रश्नोत्तर | |
| | प्रश्न 2:- ग्राम विकास का क्या उद्देश्य है? | उत्तर: गांव के निर्धन लोगों का विकास करना। | | |
| (2) ग्रामीण विकास का क्षेत्र | विकासात्मक प्रश्न- | | | |
| | प्रश्न 1:- ग्रामीण विकास योजना ग्रामीण जीवन को किस प्रकार उन्नत बनाती है? | उत्तर: निर्धन ग्रामीण का आर्थिक व सामाजिक विकास करती है। | प्रविधि- व्याख्यान | |
| | प्रश्न 2:- ग्रामीण विकास किन 2 प्रमुख घटकों पर आधारित होता है? | उत्तर- छात्र अनुत्तरित हैं। | | |

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

| | | | |
|---|---|---|---|
| छात्राध्यापक कथन- ग्रामीण विकास के अन्तर्गत वे व्यापक क्रियाएँ आती हैं, जो ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था के सभी पहलुओं से सम्बन्धित होती है तथा जिनमें सभी ग्रामीण वर्गों को शामिल किया जाता है। (i) क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों एवं उनमें सम्बन्ध होना (ii) आवश्यक अवसंरचना (iii) आत्म निर्भरता के उद्देश्य की प्राप्ति की क्षमता। | छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे। | विधि- व्याख्या | क्षेत्र- * संसाधन एवं अन्तःसह सम्बन्ध * उचित तकनीकी * संस्थाएँ प्रेरणाएँ एवं नीतियाँ |
| बोधात्मक प्रश्न- प्रश्न 1:- ग्रामीण वर्गों में कौन-से वर्ग शामिल किये जाते हैं? | उत्तर:- कृषक, भूमिहीन श्रमिक, ग्रामीण दस्तकार आदि। | | |
| प्रश्न 2:- ग्रामीण विकास कार्यक्रम के कोई दो घटक बताइए। | उत्तर:- (i) आवश्यक अवसंरचना (ii) क्षेत्र में उपलब्ध संसाधन एवं उनमें अन्तर्सम्बन्ध। | प्रविधि- प्रश्नोत्तर | |

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

**मूल्यांकन प्रश्न -:**

प्र1- ग्रामीण विकास से क्या अभिप्राय है?

प्र2- भारत के सर्वांगीण विकास के लिए क्या आवश्यक है।

**गृह कार्य :-**

ग्रामीण विकास से आप क्या समझते हो? इसके क्षेत्र के बारे में लिखिए।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....................